बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्

(जैव विविधता अधिनियम–2002 के अंतर्गत गठित सरकार का एक स्वायत्त सांविधिक निकाय)

समाचार

भागलपुर जिले के पिरपैंती प्रखण्ड अन्तर्गत बाबूपुर, सलेमपुर, बारा, मोहनपुर, राजगाँव एवं परसबन्ना तथा कहलाँव प्रखण्ड के एकचांकी पंचायत से जैविक संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग में स्थानीय समुदाय के लाभ हिस्सेदारी व्यवस्था का अनुश्रवण

दिनांक 20 अगस्त, 2024 को बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् के संयुक्त निदेशक श्री हेम कान्त राय तथा उप निदेशक श्री मिहिर कुमार झा द्वारा परिपैंती में बैठक आहूत कर स्थानीय जैव विविधता प्रबन्धन समितियों के अध्यक्ष, जैविक संसाधनों के संग्रहणकर्त्ता, किसान, सम्बद्ध व्यापारियों तथा वन विभाग के स्थानीय पदाधिकारी के साथ विस्तृत चर्चा की गई। इस बैठक में पर्षद् के पदाधिकारियों द्वारा जैव संसाधनों के वाणिज्यिक उपयोग के संदर्भ में तथ्यात्मक स्थिति से अवगत कराते हुए जैव विविधता प्रबन्धन समितियों की भूमिका की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया।

चर्चा के क्रम में जैविक संसाधन के संग्रहणकर्त्ता, जो मुख्यतः महिलाएँ थी, से संग्रहण के तरीके, संसाधन की पहचान आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। औषधीय पौधों की खेती करने वाले किसानों ने खेती की विधि का उल्लेख किया तथा इसे विस्तारित किये जाने के संदर्भ में अपने सुझाव दिये। जैव संसाधन के व्यापार में जुटे व्यक्तियों से उनके कार्य-कलाप, क्रय-विक्रय प्रणाली आदि की जानकारी तथा विस्तारण के सम्बन्ध में सुझाव प्राप्त किये गये।

स्थानीय क्षेत्र भ्रमण के क्रम में गिलोय, पुनर्नवा, आक, नागमौथा, भृंगराज, शंखपुष्पी, मुलैठी, धतूरा आदि के प्राकृतिक रूप से हो रही उपलब्धता को संज्ञान में लिया गया। कालमेघ (चिरैंता) की खेती पर विस्तृत चर्चा की गई तथा इसकी खेती के वाणिज्यिक पहलू के अध्ययन हेतु प्रगतिशील किसान श्री नवल किशोर सिंह के राजगाँव अराजी पंचायत में 2 एकड़ खेत तथा श्री कन्हाई महतो के परसबन्ना पंचायत के 1/2 एकड़ खेत को चिन्हित किया गया।

इन स्थलों पर कालमेघ की बुआई से लेकर कटाई तथा व्यापार हेतु तैयार करने में लगने वाले समय, लागत एवं लाभ का आकलन कराने का पहल किया गया।

चर्चा में उपस्थित व्यापारियों द्वारा जानकारी दी गयी कि इन औषधीय पौधों तथा उनके पत्ता, फल-फूल, तना, छाल, जड़ इत्यादि की आपूर्ति डाबर के कलकत्ता इकाई तथा बैधनाथ के पटना इकाई के अतिरिक्त स्थानीय वैधों

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्

(जैव विविधता अधिनियम–2002 के अंतर्गत गठित सरकार का एक स्वायत्त सांविधिक निकाय)

समाचार

पीरपैंती में समीक्षा बैठक

औषधीय पौधों की खेती

बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्

(जैव विविधता अधिनियम–2002 के अंतर्गत गठित सरकार का एक स्वायत्त सांविधिक निकाय)

समाचार

कुंदरी की खेती

केला के साथ खस घास एवं अन्य औषधीय

बैर की खेती